हल प्रश्न-पत्र	सी.बी.एस.ई. 2020 कक्षा–X Delhi/Outside Delhi Sets	हिंदी 'अ'

Time : 3 Hrs.	M.M. : 80
Code No. 3/1/1	**Delhi SET-1**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िये और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) प्रश्न-पत्र चार खंडों में विभाजित किया गया है—क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) खंड क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।

(iii) खंड ख में प्रश्न संख्या 2 से 5 तक प्रश्न व्याकरण के हैं।

(iv) खंड ग में प्रश्न संख्या 6 से 10 तक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से हैं।

(v) खंड घ में प्रश्न संख्या 11 से 13 तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।

(vi) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

(vii) उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द-सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।

(viii) प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है तथापि एक-एक अंक वाले 4 प्रश्नों में, दो-दो अंकों वाले 5 प्रश्नों में, तीन अंक वाले 1 प्रश्न में, पाँच-पाँच अंकों वाले दोनों प्रश्नों में और दस अंक वाले 1 प्रश्न में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

(ix) इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खंड और प्रश्न के साथ यथोचित् निर्देश दिए गए हैं।

खंड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है, आत्मनिर्भरता तथा सबसे बड़ा अवगुण है, स्वावलंबन का अभाव। स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है। जीवन के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें तो भला हम जीवन में सफल कैसे होंगे? अत: आवश्यक है कि हम स्वावलंबी बनें तथा अपने आत्मविश्वास को जाग्रत करके मजबूत बनें। यदि व्यक्ति स्वयं में आत्मविश्वास जाग्रत कर ले तो दुनिया में ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे वह न कर सके। स्वयं में विश्वास करने वाला व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में कामयाब होता जाता है। सफलता स्वावलंबी मनुष्य के पैर छूती है। आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता से आत्मबल मिलता है जिससे आत्मा का विकास होता है तथा मनुष्य श्रेष्ठ कार्यों की ओर प्रवृत्त होता है। स्वावलंबन मानव में गुणों की प्रतिष्ठा करता है। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुण स्वावलंबन के सहोदर हैं। स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है।

(क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-सा गुण आवश्यक है और क्यों? 2

(ख) आत्मविश्वास क्यों आवश्यक है और कैसे जाग्रत हो सकता है? 2

(ग) स्वावलंबन का सहोदर किसे कहा गया है और क्यों? 2

(घ) स्वावलंबन का अभाव मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण क्यों है? 2

(ङ) 'आत्मबल' के लिए क्या आवश्यक है? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

खंड–ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए— 1× 4 = 4

(क) पत्थर की मूर्ति पर चश्मा असली था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) मूर्तिकार ने सुना और जवाब दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्‌भुत परंपरा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए— 1× 4 = 4

(क) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) दर्द के कारण वह खड़ा ही नहीं हुआ। (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया? (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कहा कि खीरा लज़ीज होता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए— 1× 4 = 4

(क) आजकल प्रदूषण तेजी से फैल रहा है।

(ख) वक्त काटने के लिए खीरे खरीदे होंगे।

(ग) नवाब साहब थककर लेट गए।

(घ) मेदा भी मेरा कमज़ोर है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए— 1× 4 = 4

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उनका लगा।
मानो हवा के जोर-से, सोता हुआ सागर जगा।

(ख) 'वीर रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'शांत रस' का स्थायी भाव क्या है?

(घ) उद्दीपन से आप क्या समझते हैं?

(ङ) स्थायी भाव से क्या अभिप्राय हैं?

खंड–ग

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2× 3 = 6

पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित और द्रवित करने वाली। यानी वह ठीक ही सोच रहे थे। मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर दिया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए—काँचवाला—यह तय नहीं कर पाया होगा। या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा। या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा। या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा। उफ़......!

(क) पानवाले के लिए क्या बात मज़ेदार थी और क्यों?

(ख) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक 'बेचारा' क्यों था?

(ग) हालदार साहब ने नेताजी की प्रतिमा पर चश्मा न होने की क्या-क्या संभावनाएँ व्यक्त कीं?

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— 2× 4 = 8

(क) बालगोबिन भगत के गीतों का खेतों में काम करते हुए और आते-जाते नर-नारियों पर क्या प्रभाव पड़ता था?

(ख) 'लखनवी अंदाज' रचना में नवाब साहब की सनक को आप कहाँ तक उचित ठहरायेंगे? क्यों?

(ग) फ़ादर बुल्के ने भारत में रहते हुए हिंदी के उत्थान के लिए क्या कार्य किए?

(घ) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक और नकारात्मक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई हैं?

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2× 3 = 6

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सुर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(क) 'इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।' में निहित व्यंगय को समझाइए।
(ख) श्रीकृष्ण द्वारा चुराए गए मन को वापस माँगने में निहित गोपियों की मनोव्यथा को स्पष्ट कीजिए।
(ग) गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म क्या है? उन्होंने 'राजधर्म' का उल्लेख क्यों किया है?

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **$2\times 4 = 8$**

(क) 'अट नहीं रही है' कविता में 'उड़ने को नभ में तुम पर-पर कर देते हो' के आलोक में बताइए कि फागुन लोगों के मन को किस तरह प्रभावित करता है?
(ख) शिशु के धूलि-धूसरित शरीर को देखकर कवि नागार्जुन ने क्या कल्पना की?
(ग) प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा क्यों कहा गया है? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए।
(घ) 'संगतकार' कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है?
(ङ) परशुराम के प्रति लक्ष्मण के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए— **$3\times 2 = 6$**

(क) 'बच्चे रोना-धोना, पीड़ा, आपसी झगड़े ज्यादा देर तक अपने साथ नहीं रख सकते हैं।' 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
(ख) जॉर्ज पंचम की लाट की टूटी नाक लगाने के क्रम में पुरातत्व विभाग की फाइलों की छानबीन की जरूरत क्यों आ गई? क्या उससे समाधान संभव था? क्यों?
(ग) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृत्तान्त के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

खंड–घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए— **10**

(क) महात्मा गांधीजी की 150 वीं जयंती
- मनाने के उद्देश्य
- गांधीजी का जीवन
- आजादी के आंदोलन में भूमिका
- प्रासंगिकता

(ख) महानगरीय भीड़भाड़ और मेट्रो
- यातायात और भीड़भाड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल की भूमिका
- मेट्रो के लाभ

(ग) ग्लोबल वार्मिंग और जन-जीवन
- ग्लोबल वार्मिंग का अभिप्राय
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण
- ग्लोबल वार्मिंग से हानियाँ
- बचाव के उपाय

12. सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आपके छोटे भाई/बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

13. नगर में आयोजित होने वाली भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

अथवा

प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की ओर से 25–50 शब्दों में लिखिए।

Code No. 3/1/2 **Delhi SET-2**

खंड–ख

2. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए—** **1× 4 = 4**

(क) एक साल पहले बने कॉलेज में शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जो व्यक्ति साहसी हैं उनके लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) सवार का संतुलन बिगड़ा और वह गिर गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) केवट ने कहा कि बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

3. **निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए—** **1× 4 = 4**

(क) किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए।

(ग) आओ, यहाँ बैठ सकते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. **निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए—** **1× 4 = 4**

(क) सफेद घोड़ा तेज भागता है।

(ख) खीरा लज़ीज़ होता है।

(ग) यह भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है?

(घ) वह हमेशा सच बोलता है।

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए—** **1× 4 = 4**

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

एक ओर अजगरहिं लखि, एक ओर मृगराय।
विकल बटोही बीच ही, पर्‍यो मूरछा खाय।।

(ख) 'रौद्र रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'करुण रस' का स्थायी भाव क्या है?

खंड–घ

12. पुस्तकालय में हिंदी के प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

आपकी बड़ी बहन को चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हो गया है। इस सफलता के लिए बधाई-पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

13. देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

अथवा

आपके नगर में मिठाई की एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Code No. 3/1/3 **Delhi SET-3**

खंड–ख

2. **निर्देशानुसार उत्तर लिखिए—** **1× 4 = 4**

(क) उसने स्टेडियम जाकर क्रिकेट मैच देखा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) जैसे ही बच्चे को खिलौना मिला वह चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) मन्नू जी की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

(घ) जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर स्थिर थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए।)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए— **1× 4 = 4**

(क) विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) मैं दीपावली पर मिट्टी के दीप जलाऊँगी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) हर्षिता पैदल चल नहीं सकती। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) तुमसे चुप नहीं रहा जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए— **1× 4 = 4**

(क) बाग में कुछ महिलाएँ <u>बैठी</u> थीं।

(ख) मुझे <u>अपनी</u> पत्नी और पुत्र की मृत्यु याद आ रही है।

(ग) एक शर्त रखी कि मैं <u>भारत</u> जाऊँगा।

(घ) <u>नहीं</u> जानता, बस मन में यह था।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए— **1× 4 = 4**

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात
वेदना में जन्म, करुणा में मिला आवास
अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात
जीवन, विरह का जलजात।

(ख) 'वीभत्स रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'हास्य रस' का स्थायी भाव लिखिए।

खंड–घ

12. यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने तथा दो अन्य सुझाव देते हुए यातायात पुलिस आयुक्त को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

आपका छोटा भाई अनुराग परीक्षा में नकल करता पकड़ा गया, जिसके लिए उसे दंडित किया गया। उसे समझाते हुए पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

13. आपके शहर में विराट हास्य कवि सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें देश के प्रसिद्ध हास्य कवि आमंत्रित हैं। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों तैयार कीजिए। **5**

अथवा

रजिस्टर एवं कॉपियाँ बनाने वाली 'रचना कंपनी' के लिए उत्पाद प्रचार हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Code No. 3/2/1 **Outside Delhi SET-1**

खंड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **10**

पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ-न-कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में होता है। पड़ोसी से परहेज करना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है, क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपदा अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों तथा परिवारवालों को बुलाने में समय लगता है। ऐसे में पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता, उससे सहानुभूति नहीं रख सकता, उसके साथ सुख-दुख का आदान-प्रदान नहीं कर सकता तथा उसके शोक और आनंद के क्षणों में शामिल नहीं हो सकता, वह भला अपने समाज अथवा देश के साथ भावनात्मक रूप से कैसे जुड़ेगा। विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है, जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें।

(क) सामाजिक जीवन में पड़ोस का क्या महत्व है? **2**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ख) पड़ोसी के साथ संबंध रखना हमारे हित में किस तरह से है? 2

(ग) हमें पड़ोसी से निभाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए? 2

(घ) 'विश्वस्त सहायक' से क्या अभिप्राय है? पड़ोसी को विश्वस्त सहायक क्यों कहा गया है? 2

(ङ) लेखक ने विश्व-बंधुत्व की बात किस संदर्भ में की है? 1

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

खंड–ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए— $1\times 4 = 4$

(क) उसके एक इशारे पर लड़कियाँ कक्षा से बाहर निकलकर नारे लगाने लगीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) उन्होंने जेब से चाकू निकाला और खीरा काटने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) हालदार साहब को उधर से गुजरते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) बालगोबिन भगत जानते थे कि अब बुढ़ापा आ गया है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य-परिर्वतन कीजिए— $1\times 4 = 4$

(क) माँ द्वारा भिखारी को भोजन दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) वह कालीन बुनता है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) आओ, अब चलते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) पुलिस के द्वारा चेतावनी दी गई है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए— $1\times 4 = 4$

(क) वीरों की <u>सदा जीत</u> होती है।

(ख) बच्चे की <u>मुस्कान</u> मनमोहक होती है।

(ग) प्रत्येक का <u>अपना</u> महत्व होता है।

(घ) <u>चलते-चलते</u> लड़खड़ाने पर सहयोगी उसे सँभालते हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए— $1\times 4 = 4$

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

छाड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए।
मत झुको अनय पर, भले व्योम ही फट जाए।

(ख) 'शृंगार रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'क्रोध' किस रस का स्थायी भाव है?

(घ) विभाव किसे कहते हैं?

(ङ) हास्य रस का स्थायी भाव क्या है?

खंड–ग

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $2\times 3 = 6$

मुफ़स्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी। आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं। दूर तो जाना नहीं था। भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया।

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रख थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे—जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

(क) लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

(ख) लेखक ने जिस अनुमान के लिए सेकंड क्लास का टिकट खरीदा था, वह गलत कैसे निकाला?

(ग) डिब्बे में बैठे सज्जन ने लेखक के आने पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की और लेखक ने उसके व्यवहार से क्या अनुमान लगाया?

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **2× 4 = 8**

(क) 'पानवाला एक हँसमुख स्वाभाव वाला व्यक्ति है, परंतु उसके हृदय में संवेदना भी है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) गर्मियों की उमस भरी शाम को भी बालगोबिन भगत किस प्रकार शीतल और मनमोहक बना देते थे?

(ग) फादर बुल्के की मृत्यु से लेखक आहत क्यों था?

(घ) मन्नू भंडारी के पिता ने अपनी आर्थिक विवशताएँ कभी बच्चों को क्यों नहीं बताई होंगी?

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ जीवनभर ईवर से क्या माँगते रहे और क्यों? इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है?

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **2× 3 = 6**

बादल, गरजो।
घेर घोर गगन,धाराधर ओ,
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छवि उर में, कवि, जनजीवन वाले।
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो
बादल, गरजो।

(क) कवि बादलों से क्या आग्रह कर रहा है और क्यों?

(ख) बादलों का सौंदर्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि उनकी तुलना किससे की गई?

(ग) कवि के अनुसार नूतन कविता कैसी होनी चाहिए?

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **2× 4 = 8**

(क) परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत किन शब्दों में करते हैं?

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(ग) 'यह दंतुरति मुसकान' कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक हैं?

(घ) 'कन्यादान' कविता में माँ की सोच परंपरागत माँ से कैसे भिन्न है?

(ङ) संगतकार की आवाज में हिचक क्यों सुनाई देती है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए— **3× 2 = 6**

(क) भोलानाथ संकट के समय में अपने पिता के पास न जाकर माता के पास क्यों जाता है? 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) इंग्लैण्ड की महारानी के हिंदुस्तान आगमन पर अखबार क्या-क्या छाप रहे थे और रानी के आने के दिन वे चुप क्यों रह गए?

(ग) 'सेवन सिस्टर्स वाटर फॉल' को देख लेखिका ने अपनी भावनाओं को कैसे अभिव्यक्त किया है?'साना-साना हाथ जोड़ि..... ' पाठ के आधार पर लिखिए।

खंड–घ

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए— **10**

(क) प्लास्टिक मुक्त भारत
- हानियाँ
- विकल्प क्या हो
- किए जा रहे प्रयास

(ख) आत्मविश्वास और सफलता
- आत्मविश्वास से तात्पर्य
- आत्मविश्वास सफलता के लिए क्यों आवश्यक
- अहंकार और आत्मविश्वास में अंतर

(ग) मातृभाषा के प्रति अभिरुचि
- मातृभाषा से तात्पर्य
- घटती रुचि के कारण
- रुचि कैसे बढ़े

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

12. स्वरचित कविता प्रकाशित करवाने के लिए अनुरोध करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

आपके मित्र के पिता सीमा पर शहीद हो गए। अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए मित्र को लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

13. टूथपेस्ट बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में एक शब्दों तैयार कीजिए। **5**

अथवा

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Code No. 3/2/2　　**Outside Delhi SET-2**

खंड–ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए— **1× 4 = 4**

(क) जैसे ही बत्ती हुई वैसे ही सारे वाहन चल पड़े। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) वे दिल्ली में बीमार रहे और पता नहीं चला। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) वे रिश्ता बनाकर तोड़ते नहीं थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) शकुंतला ने जो वाक्य दुष्यंत को कहे, वह इस पढ़ाई का ही दुष्परिणाम था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिर्वतन कीजिए— **1× 4 = 4**

(क) दुकानदार द्वारा रचित मूल्य लिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) महात्मा गांधी ने राष्ट्र को शांति और अहिंसा का संदेश दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) मच्छरों के कारण हम रातभर सो न सके। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) गाइड द्वारा हमें सब कुछ समझा दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए— **1× 4 = 4**

(क) आशिमा दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

(ख) वाह, तुमने अच्छा काम किया।

(ग) शिक्षक के साथ एक शिष्य भी आता है।

(घ) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए— **1× 4 = 4**

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

हाथ में घाव थे चार
थी उनमें मवाद भरमार
मक्खी उन पर भिनक रही थी
कुछ पाने को टूट पड़ी थी।
उसी हाथ से कौर उठाता
घृणा से मेरा मन भर जाता।

(ख) 'वीर रस' का एक उदाहरण लिखिए।

खंड–घ

12. नगर में बढ़ती भीड़-भाड़ के कारण परिवहन की जटिल समस्या के हल के लिए सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने अवश्यकता पर बल देते अपने राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

वाद-विवाद प्रतियोगिता में पहली बार भाग लेने तथा पुरस्कार पाने का अनुभव बताते हुए अपने मित्र को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। **5**

13. आपके मुहल्ले में संगीत संध्या का आयोजन होने जा रहा है। इसके अधिकाधिक प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

अथवा

'मोबाइल रिपेयर' नाम से सब प्रकार के मोबाइलों को ठीक करने का दावा करने वाली एक नई दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में लिखिए। **5**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

Code No. 3/2/3 **Outside Delhi SET-3**

खंड–ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए— 1× 4 = 4

(क) जादूगर का जादू देखकर दर्शक दंग रह गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) नवाब साहब ने तौलिया झाड़ा और सामने बिछा लिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) खीरे के स्वाद के आनंद में नवाब साहब की पलकें मुंद आईं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) मैं नहीं जानता कि इस संन्यासी ने कभी क्या सोचा था। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए— 1× 4 = 4

(क) बस की खिड़की से न झाँकें। (भाववाच्य में बदलिए)

(ख) धर्मगुरु ने कामिल बुल्के की बात मान ली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) तुम पढ़ क्यों नहीं करते? (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) उससे उठा-बैठा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए— 1× 4 = 4

(क) पानवाला नया पान खा रहा था।

(ख) यह साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

(ग) माँ की याद आ रही है।

(घ) मधुर गाने तो सदा ही सुनने को मिलते।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए— 1× 4 = 4

(क) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए—

हाथी जैसी देह है, गैडें जैसी खाल।

तरबूजे-सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।

(ख) 'अद्‌भुत रस' का एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?

खंड–घ

12. बिजली विभाग के अधिकारी को बिजली बिल की शिकायत करते हुए लगभग 80–100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

अथवा

आप अंतर्विद्यालयी क्रिकेट के लिए अपने विद्यालय की टीम के कप्तान चुने गए हैं। इस आशय की सूचना देते हुए अपने पिताजी को लगभग 80–100 शब्दों में पत्र लिखिए।

13. विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में एक शब्दों तैयार कीजिए। 5

अथवा

हेलमेट बनाने वाली एक कंपनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में लिखिए।

❑❑❑

उत्तरमाला

Code No. 3/1/1 **Delhi SET-1**

खण्ड–क

1. (क) जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति में आत्मविश्वास और स्वावलंबन आवश्यक है क्योंकि स्वावलंबन व्यक्ति, राष्ट्र तथा मानव मात्र के जीवन में सफलता प्राप्ति का प्रमुख साधन है।

(ख) आत्मविश्वासी व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है। आत्मविश्वास जाग्रत करने के लिए व्यक्ति को जीवन में आने वाली बाधाओं से निराश नहीं होना चाहिए बल्कि निरंतर परिश्रम और संघर्ष से उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ग) आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्मबल, आत्मरक्षा, साहस, संतोष, धैर्य आदि गुणों को स्वावलंबन का सहोदर कहा गया है क्योंकि स्वावलंबन से ही मानव में इन गुणों का विकास होता है।

(घ) स्वावलंबन के अभाव में व्यक्ति जीवन की विषम परिस्थितियों का सामना नहीं कर पाता और निराश हो जाता है। वह अपना पूरा जीवन दूसरों पर निर्भर रहता है। उसमें आत्मविश्वास का अभाव होता है।

(ङ) आत्मबल के लिए आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता आवश्यक है।

(च) स्वावलंबन सफलता की कुंजी है / आत्मनिर्भरता सफलता का पर्याय / आत्मविश्वास और सफलता अथवा कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक।

खण्ड–ख

2. (क) मूर्ति पत्थर की थी लेकिन उस पर चश्मा असली था।

(ख) मूर्तिकार ने सुनकर जवाब दिया।

(ग) काशी में संगीत की जो परंपरा है वह प्राचीन एवं अद्‌भुत है।

(घ) जिसका नाम कैप्टन है। (विशेषण उपवाक्य)

3. (क) नेता जी द्वारा देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया गया।

(ख) दर्द के कारण उससे खड़ा ही नहीं हुआ गया।

(ग) परीक्षा के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?

(घ) नवाब साहब द्वारा हमारी ओर देखकर कहा गया कि खीरा लजीज होता है।

4. (क) प्रदूषण—संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, क्रिया का कर्ता।

(ख) खरीदे होंगे—क्रिया, सकर्मक, बहुवचन, पुल्लिंग, संदिग्ध भूतकाल, 'खीरे कर्म की क्रिया।'

(ग) थककर-अव्यय, क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, लेट गया क्रिया का विशेषण।

(घ) मेरा—सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, सम्बन्ध कारक।

5. (क) रौद्र रस

(ख) वीर रस का उदाहरण - तनककर भाला यूं बोल उठा, राणा मुझको विश्राम न दे।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ तू तनिक मुझे आराम न दे।

(ग) निर्वेद, वैराग्य

(घ) उद्दीपन विभाव—जो स्थायी भाव को उद्दीप्त करें या जिन प्रेरक परिस्थितियाँ या व्यक्तियों के सहयोग से मूल भाव को जागृत होने में सहायता मिलती है उन्हें उद्दीपन कहते है। जैसे हास्य में व्यक्ति की हास्य उत्पाक चेष्टाएं, शृंगार में प्राकृतिक सौंदर्य आदि।

(ङ) स्थायी भाव—स्थायी भाव प्रत्येक मनुष्य के हृदय में स्थायी रूप से स्थित होते हैं और अनुकूल परिस्थितियाँ मिलने पर रस रूप में परिणत हो जाते हैं। इनकी संख्या नौ है।

खण्ड–ग

6. (क) मूर्तिकार द्वारा नेता जी की मूर्ति पर चश्मा बनाना भूल जाना पानवाले के लिए एक मजेदार बात थी क्योंकि कैप्टन चश्मेवाला नेताजी की मूर्ति पर अपनी छोटी-सी दुकान से रोज एक अलग चश्मा लगा देता था। इस प्रकार लोगों को रोज नेता जी का एक नया रूप देखने को मिलता था।

(ख) हालदार साहब की दृष्टि में कस्बे का अध्यापक बेचारा इसलिए था क्योंकि उसने बहुत कम लागत में, एक महीने से भी कम समय में मूर्ति बनाकर देने का वादा कर दिया होगा किन्तु मूर्ति का चश्मा बनाने के प्रयास में वह असफल रहा था।

(ग) हालदार साहब ने अनुमान लगाया कि या तो मूर्तिकार मूर्ति बनाते समय चश्मा बनाने के विषय में कुछ तय नहीं कर पाया होगा या उससे काँचवाला पारदर्शी चश्मा बनाते समय बारीकी के चक्कर में टूट गया होगा या पत्थर का चश्मा अलग से बना कर फिट किया होगा जो निकल गया होगा।

7. (क) बालगोबिन भगत बहुत मधुर स्वर में गीत गाते थे। उनके गीतों को सुनकर बच्चे मस्ती में झूमने लगते। मेड़ों पर खड़ी औरतों के होंठ गीत गाने के लिए बेचैन हो उठते थे। हलवाहों के पैर और धान रोपते किसानों की उंगलियाँ संगीत की लय पर चलने लगतीं। उनके संगीत का जादू पूरे वातावरण पर छा जाता था।

(ख) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब की अपनी नवाबी शान और रईसी का झूठा दिखावा करने की सनक कतई उचित नहीं है, क्योंकि दूसरों को नीचा दिखाना मानवोचित् आचरण नहीं कहा जा सकता। पहले नवाब साहब ने अकेले डिब्बे में खीरे खाने

के लिए खरीदे थे किन्तु लेखक को सामने देखकर अपनी नवाबी शान का दिखावा करने के लिए उन्होंने खीरे खाए बिना ही खिड़की से बाहर फेंक दिए।

(ग) फादर बुल्के हिंदी भाषा से बहुत लगाव रखते थे। उन्होंने भारत में रहते हुए हिंदी में अध्ययन और शोध कार्य किया। बाइबिल और 'ब्लू बर्ड' नामक नाटक का हिंदी में अनुवाद किया। सबसे प्रामाणिक अंग्रेजी–हिंदी शब्दकोश तैयार किया। वे परिमल नामक हिंदी संस्था से जुड़े रहे। वे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने पर बहुत जोर देते थे।

(घ) लेखिका के पिता आधुनिक विचारधारा के महत्वाकांक्षी व्यक्ति थे। वे लड़कियों को शिक्षा और प्रतिभा विकास के समान अवसर देने के पक्षधर थे। देश के लिए कार्य करना, समाज–सेवा और परोपकार की भावना आदि उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक गुण थे। वहीं दूसरी ओर उनके व्यक्तित्व का नकारात्मक पक्ष भी था। वे बहुत अहंकारी तो थे ही उनकी गिरती आर्थिक स्थिति ने उन्हें शक्की, क्रोधी और चिड़चिड़ा बना दिया था।

(ङ) जिस प्रकार कस्तूरी मृग की नाभि या कुंडली में कस्तूरी की महक समायी रहती है किन्तु मृग अपनी इस विशेषता से अनजान वन–वन भट कर उसे पाने का प्रयास करता रहता है। उसी प्रकार प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ सुर सम्राट होने के बाद भी जीवन भर खुदा से सच्चा सुर माँगते रहे।

8. (क) इस पंक्ति के माध्यम से गोपियाँ श्रीकृष्ण के मथुरा से वापस आने की बजाए उद्धव द्वारा योग सन्देश भेजने की बात पर स्नेहसिक्त व्यंग्य कर रही हैं। वे कहती हैं कि कृष्ण तो पहले ही चतुर थे अब उन्होंने राजनीति भी सीख ली है।

(ख) गोपियाँ कृष्ण के विरह में व्याकुल हैं। वे योग सन्देश भेजने वाले श्रीकृष्ण पर व्यंग्य करती हुई कहती हैं कि हमें हमारा मन तो वापिस कर दें जो कृष्ण मथुरा जाते समय चुरा कर ले गए थे। अर्थात् हमारे मन में तो केवल कृष्ण बसे हुए हैं। गोपियाँ आहत हैं।

(ग) गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म प्रजा के हितों की रक्षा करना और उस पर कोई अत्याचार न होने देना है। उन्होंने राजधर्म का उल्लेख इसलिए किया क्योंकि अब श्रीकृष्ण राजा हैं। गोपियों के पास स्वयं न आकर उद्धव द्वारा योग सन्देश भेजकर वे अपनी प्रजा यानी गोपियों के प्रति अन्याय कर रहे हैं।

9. (क) फागुन माह के वासंतिक प्रभाव से मन मन्त्र मुग्ध हो जाता है। शीतल मंद सुगन्धित पवन, नव पल्लवों और रंग–बिरंगे पुष्पों से लदी वृक्षों की डालियाँ वातावरण में मादकता भर देती हैं। मानव मन प्रसन्नता से भर उठता है।

(ख) धूल से सना बच्चे का कोमल शरीर अत्यंत सुंदर प्रतीत होता है। उसे देखकर कवि कल्पना करता है कि मानो कमल तालाब छोड़कर उसकी झोपड़ी में खिल उठे हैं।

(ग) जिस प्रकार रेगिस्तान में रेत पर पड़ती सूर्य की किरणों को जल समझकर प्यासा मृग उसे पाने के लिए दौड़ता रहता है किन्तु उसे कुछ प्राप्त नहीं होता। उसी प्रकार प्रभुता और यश को सुख मानकर मनुष्य जीवन भर उसे पाने के लिए भटकता रहता है, किन्तु यह सब सुख का छलावा है इनसे वास्तविक सुख प्राप्त नहीं होता। इसीलिए प्रभुता की कामना को मृगतृष्णा कहा गया है।

(घ) संगतकार स्वयं पृष्ठभूमि में रहकर मुख्य कलाकार को प्रतिष्ठित करता है किन्तु समाज उसके योगदान को कोई महत्त्व नहीं देता। कवि आम लोगों से अपेक्षा करता है कि वे ऐसे समर्पित व्यक्तियों को भी यथायोग्य सम्मान दें। प्रतिभा संपन्न होते हुए भी मुख्य कलाकार से आगे न बढ़ने के उसके कार्य को उसी कमजोरी नहीं वरन् उसकी मनुष्यता और महानता समझें।

(ङ) लक्ष्मण वीर, साहसी, निडर किन्तु स्वभाव से उग्र हैं। वे परशुराम के कठोर वचनों को सुनकर शांत नहीं रहते वरन् अपने वचनों से वे भी व्यंग्य–प्रहार करते हैं, परन्तु किसी भी बात की अति बुरी होती है। लक्ष्मण क्रोधावेश में अपनी मर्यादा भूलकर परशुराम को नृपद्रोही और न जाने क्या–क्या कह जाते हैं। वे उनकी उम्र और पद की गरिमा का भी ध्यान नहीं रखते इसीलिए सारी प्रजा हाय–हाय कहकर उन्हें ही अनुचित कहती है।

10. (क) 'माता का आँचल' पाठ से पता चलता है कि बच्चे अपनी पीड़ा, आपसी झगड़े, रोना–धोना आदि अधिक देर तक अपने पास नहीं रखते। वे दुखी होने पर रो–चिल्ला कर और प्रसन्न होने पर उछल–कूद कर अपनी भावनाएँ व्यक्त कर देते हैं। बच्चे कभी भी अपने मन पर बोझ नहीं रखते। कोई भी रुचिकर स्थिति आते ही वे रोना–धोना भूलकर आनंदित हो जाते हैं। जिस प्रकार भोलानाथ अपने साथियों को देखकर रोना–सिसकना भूलकर उनके साथ हँसने–खेलने में मग्न हो जाता है।

(ख) जॉर्ज पंचम की लाल की टूटी नाक लगाने के लिए जब मूर्तिकार ने पूछा कि लाट का पत्थर कहाँ से लाया गया था? तो पुरातत्व विभाग की फाइलों के ढेर खोले गए किन्तु उसमें कोई भी जानकारी नहीं मिल सकी। यदि जानकारी मिल जाती तो शायद समस्या का समाधान हो जाता क्योंकि फिर मूर्तिकार को पूरे भारत के पर्वतों पर जाकर पत्थर की खोज नहीं करनी पड़ती। उस स्थान विशेष से पत्थर मँगवाकर लाट की नाक लगवा दी जाती।

(ग) यात्राएँ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होने का अच्छा माध्यम हैं। जब हम देश–विदेश की यात्रा करते हैं तो हम उस स्थान विशेष की संस्कृति से परिचित होते हैं। जिस प्रकार 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका मधु कांकरिया को गंतोक की यात्रा करते समय गाइड जितेन नार्गे सिक्किम की भौगोलिक, प्राकृतिक स्थिति, ऐतिहासिक महत्त्व और जनजीवन के बारे में पूर्ण जानकारी देता है।

खण्ड–घ

11. **महात्मा गांधी की 150 जयन्ती**

मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधरित है। सत्य मेरा भगवान है और अहिंसा उसे पाने का साधन–

महात्मा गांधी–2 अक्टूबर 1869 को जन्मे सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। गांधी जी की संवाद शैली और विचार शक्ति ही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

जनसंपर्क गांधी जी का सबसे बड़ा हथियार था। दांडी मार्च, चम्पारण में सत्याग्रह के माध्यम से अंग्रेजी नीतियों का विरोध, गुजरात में अकाल और बाढ़ की स्थिति में लगान वसूले जाने का विरोध जैसे व्यापक आंदोलनों ने गांधी जी को सबका लोकप्रिय बापू बना दिया। बापू ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर देश को स्वतंत्रता दिलाई। यद्यपि आज बापू हमारे बीच नहीं हैं किन्तु आज भी वह हम सबके मन में एक आदर्श विचार, प्रेरणा और शक्ति के रूप में जीवित हैं।

02 अक्टूबर, 2019 को गांधी जी की 150वीं जयन्ती थी। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रपिता की 150वीं जयन्ती को पूरे एक वर्ष तक मनाने की घोषणा की। इस योजना के कार्यान्वयन से संबंधित समिति द्वारा 26 जनवरी 2019 की परेड में सभी झाकियाँ महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित रखने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही इस जयन्ती वर्ष में स्मारक डाक टिकट जारी करना, विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों और विद्यालयों द्वारा गांधी जी से संबंधित नाटक, प्रदर्शनियों, सेमीनारों का आयोजन और आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा गांधी कथा का वाचन आदि प्रमुख हैं। 2 अक्टूबर, 2019 को हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगते हुए 2022 तक भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सांप्रदायिक सद्भाव, आत्मनिर्भरता जैसे आदर्शों को अपनाना ही हमारी बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महानगरीय भीड़-भाड़ और मेट्रो

महानगरीय भीड़-भाड़ क बीच मेट्रो आवागमन का सबसे सुलभ और आधुनिक साधन है। महानगरों की भीड़-भाड़ और भागमभाग भरी जिंदगी आसान नहीं हैं ऐसे में एक अच्छी परिवहन प्रणाली की आवश्यकता थी मेट्रो उस दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

मेट्रो की व्यवस्था अत्याधुनिक तकनीक से संचालित होती है। इसके कोच वातानुकूलित और टिकट प्रणाली स्वचालित होती है। स्टेशनों पर एस्केलेटर की सुविधा उपलब्ध है। मेट्रो लाइन को बस मार्गों के समानांतर बनाया गया है जिससे यात्रियों को मेट्रो से उतरने के बाद कोई दूसरा साधन प्राप्त करने में असुविधा न हो। मेट्रो के दरवाजे स्वचालित हैं और इसमें हर आने वाले स्टेशन की जानकारी दी जाती है। मेट्रो में यात्रा करते समय ऐसा अनुभव होता है मानो हम किसी यूरोपीय देश में हो। मेट्रो का अनुशासन, स्वच्छता, तकनीकी कौशल, समय की पाबंदी और साज-सज्जा हमारा मन मोह लेती है।

सड़कों पर बढ़ती वाहनों की संख्या प्रदूषण-वृद्धि का प्रमुख कारण है। मेट्रो रेल आधुनिक जनपरिवहन प्रणाली है जो भविष्य में इन महानगरों को प्रदूषण मुक्त रखने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। मेट्रो के प्रयोग से सड़क दुर्घटनाओं में भी बहुत कमी आई है। जब लोग भारी यातायात से संघर्ष करके अपने कार्यस्थल पर पहुँचते थे तो वे थक जाते थे मेट्रो में शांति से यात्रा करने के बाद उनके कार्य की गुणवत्ता बढ़ जाती है। मेट्रो यात्रा का अपेक्षाकृत सस्ता साधन है इससे हम अपने गंतव्य तक जल्दी पहुँचते हैं। निःसंदेह मेट्रो ने हमारी यात्रा को सुगम और सरल बना दिया है।

ग्लोबल वार्मिंग और जनजीवन

पृथ्वी की सतह पर औसत तापमान में क्रमिक वृद्धि होना ग्लोबल वार्मिंग को स्पष्ट करता है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान के कारण हमारा पर्यावरण प्रभावित होता है अतः ये चिंता का विषय है।

ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैसों जैसे मीथेन, कार्बन डाई-ऑक्साइड की मात्रा का बढ़ना है। जिसके कारण इस ग्रह पर जीवन के अस्तित्व के लिए संकट उपस्थित हो गया है। फ्रिज, ए.सी., परमाणु भट्टियों और जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से कार्बन डाई-ऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है। इसके अलावा खनन, वनों की कटाई, डीजल तेल, खतरनाक रसायनों को जलाना, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और पशुपालन जैसी गतिविधियाँ ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव से हमें चक्रवात, बाढ़, सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। ओजोन परत को नुकसान पहुँचना, ग्लेशियरों का पिघना जैसी कई समस्याएँ उत्पन्न हो गयीं हैं। दक्षिणी ध्रुव के बर्फीले पहाड़ पिघल-पिघल कर समुद्र में मिलते जा रहे हैं जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। पृथ्वी का संतुलन बिगड़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग को रोकना चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं। जनसाधारण और सरकार दोनों को इस दिशा में मिलकर प्रयास करना चाहिए। बिजली और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना इस दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा। सरकार को बड़े स्तर पर औद्योगिक कचरे को नियंत्रित करना चाहिए। हवा में हानिकारक गैसों के निस्तारण पर रोक लगानी चाहिए। वनों की कटाई रोककर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना चाहिए।

संक्षेप में हम सब को ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की जिम्मेदारी लेकर हर संभव प्रयास करने चाहिए। यदि ऐसा न किया तो धरती से जीवन समाप्त हो जायेगा। किसी कवि ने ठीक ही लिखा है–

ओ मनुज! गर ताप को तू यों बढाता जायेगा।
मत समझ यह जग जलेगा, तू भी न बच पाएगा।।
आज जिस धरती को तूने है बनाया आग सा।
तू झुलस कर खुद उसी में एक दिन मर जाएगा।।

12. सेवा में
संपादक
नवभावरत टाइम्स
नई दिल्ली

विषय-सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान तथा उसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु।

महोदय,

आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के माध्यम से मैं जनसाधारण को धूम्रपान के संभावित दुष्प्रभावों के प्रति सचेत कराना चाहता हूँ। सार्वजनिक स्थानों में खुले आम धूम्रपान करना आज एक फैशन-सा बन गया है। वे भूल जाते हैं कि ऐसा करके वे दूसरे लोगों के जीवन से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। तम्बाकू के धुएँ के संपर्क में आने वाले व्यक्ति भी हृदय-धमनी रोग के शिकार हो सकते हैं। अत्यधिक धूम्रपान करके लोग पाचन तंत्र प्रभावित होने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप, त्वचा रोग, पेट और आँतों में सूजन, साँसों में बदबू, दाँतों में संक्रमण, मुख का कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसे भयानक रोगों को न्योता दे रहे हैं। हमें समय रहते हुए सचेत होना आवश्यक है। आशा है आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे। साथ ही भविष्य में भी अपने समाचार पत्र में इससे संबंधित आंकड़े, रिपोर्ट और लेख छाप कर जनजागरण को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

सधन्यवाद
अ ब स
एक जिम्मेदार नागरिक

अथवा

412, सेक्टर-7
चंडीगढ़
दिनांक................
प्रिय सुदीप
सस्नेह आशीर्वाद

आशा है तुम छात्रावास में सानंद होंगे। तुमने अपने पिछले पत्र में लिखा था कि इस नए विद्यालय और छात्रावास में तुम्हारे बहुत से मित्र बन गए हैं। मैं तुम्हारे सरल स्वभाव को जानता हूँ। व्यवहारकुशल होने के कारण शीघ्र ही लोग तुम्हारे मित्र बन जाते हैं, किन्तु भाई एक बात सदैव याद रखना कि तुम छात्रावास में पढ़ने के उद्देश्य से गए हो इसलिए मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतना। ऐसे मित्र बनाना जो तुम्हें पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

मुझे तुम पर पूर्ण विश्वास है कि तुम अपने लक्ष्य से नहीं भटकोगे। आदरणीय पिता जी और माँ भी तुम्हें आशीर्वाद कह रहे हैं।

तुम्हारा अग्रज
अ ब स

13.

अथवा

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

Code No. 3/1/2 **Delhi SET-2**

खण्ड–ख

2. (क) एक साल पहले कॉलेज बना था और उसमें शीला अग्रवाल की नियुक्ति हुई थी।
(ख) साहसी व्यक्तियों के लिए कोई कार्य असंभव नहीं है।
(ग) जैसे/ज्यों ही सवार का संतुलन बिगड़ा वैसे ही/त्यों ही वह गिर गया।
(घ) बिना पाँव धोए आपको नाव पर नहीं चढ़ाऊँगा। (संज्ञा उपवाक्य)

3. (क) किसान ने खेत की जुताई की।
(ख) कितने कंबल बाँटे गए?
(ग) आओ, यहाँ बैठा जा सकता है।
(घ) सैनिक देश की रखवाली करते हैं।

4. (क) सफेद—गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'घोड़ा' विशेष्य का विशेषण
(ख) खीरा—संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'होता है' क्रिया का कर्ता।
(ग) यह—सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य का विशेषण।
(घ) हमेशा—अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बोलता है' क्रिया की अवधि बता रहा है।

5. (क) भयानक रस
(ख) रौद्र रस का उदाहरण—
भाखै लखन कुटिल भई भौहें।
रद-पुट फरकत नयन रिसौहे।।
(ग) शोक

खण्ड–घ

12. सेवा में
प्राचार्य
मॉडल पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली
दिनांक ....

विषय: पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकें मँगवाने हेतु

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मैं विद्यालय में 11वीं (मानविकी) कक्षा का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में सभी विषयों से संबंधित बहुत-सी ज्ञानवर्धक पुस्तकें हैं किंतु हिंदी की पुस्तकों का अभाव है। कुछ विद्यार्थी पाठ्यक्रम के साथ-साथ महान लेखकों की रचनाएँ भी पढ़ना चाहते हैं। अत: मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया विद्यालय के पुस्तकालय हेतु प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र, शरतचंद्र,

सुमित्रानंदन पंत, निराला जैसे महान साहित्यकारों तथा व्याकरण संबंधी कुछ श्रेष्ठ हिंदी की पुस्तकें मँगवाने का आदेश देने की कृपा करें।
सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अ ब स
कक्षा : ग्वारहवीं स

अथवा

कमरा सं. 12, छात्रावास
गांधी पब्लिक स्कूल
गाजियाबाद
दिनांक 12 मार्च 20xx
आदरणीय दीदी
सादर नमस्कार
आशा है आप सानंद होगीं। आज ही मुझे माता जी का पत्र प्राप्त हुआ जिससे आपके चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश मिलने का सुखद समाचार प्राप्त हुआ। यह आपके जीवन की बहुत बड़ी सफलता है। मेरी ओर से बहुत–बहुत बधाई स्वीकार कीजिए। हम सबको आप पर गर्व है। आप सदैव मेरी प्रेरणा रही हैं।
ईश्वर से प्रार्थना है कि आप जीवन के हर क्षेत्र में चरम सफलता प्राप्त करें। जब मैं घर आऊंगा तो हम सब आप से पार्टी लेंगे। आदरणीय पिताजी और माताजी को मेरा चरण स्पर्श कहिएगा।
आपका अनुज
गौरव

13.

अथवा

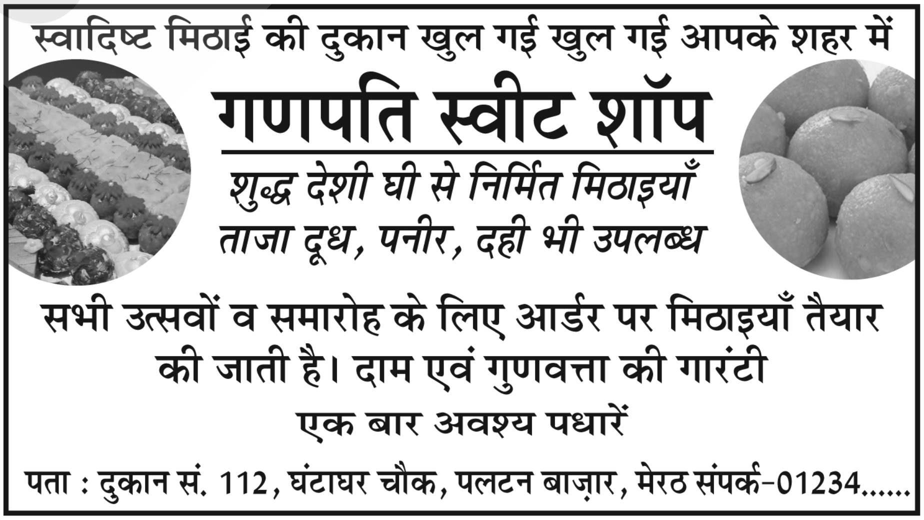

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

Code No. 3/1/3 **Delhi SET-3**

खण्ड–ख

2. (क) वह स्टेडियम गया और क्रिकेट मैच देखा।
   (ख) बच्चा खिलौना मिलते ही चुप हो गया।
   (ग) जो मन्नू जी की साहित्यिक उपलब्धियां हैं, उसके लिए उन्हें अनेक, पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।
   (घ) जो शांति बरसती थी। विशेषण उपवाक्य।
3. (क) विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।
   (ख) मेरे द्वारा दीपावली पर मिट्टी के दीए जलाए जाएंगे।
   (ग) हर्षिता द्वारा पैदल चला नहीं जा सकता/चला नहीं जाता/नहीं जाता।
   (घ) तुम चुप नहीं रह सकते।
4. (क) बैठी थीं—क्रिया, अकर्मक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'महिलाएं' कर्ता की क्रिया।
   (ख) अपनी—सर्वनाम, निजवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग।
   (ग) भारत-संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन पुल्लिंग, अधिकरण कारक।
   (घ) नहीं—अव्यय, निषेध सूचक।
5. (क) शृंगार रस (वियोग)
   (ख) वीभत्स रस का उदाहरण—
   सिर पर बैठ्यो काग आंख दोउ खात निकारत।
   खींचत जीभहिं स्यार अति आनंद उर धारत।।
   गीध जाँघि को खोदि-खोदि के मांस उपारत।
   स्वान अंगुरिन काटि-काटि के खात विदारत।।
   (ग) हास/हँसी

खंड–घ

12. सेवा में
    आयुक्त
    यातायात पुलिस
    नई दिल्ली
    दिनांक ....

विषय : यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु

निवेदन है कि इन दिनों दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं की अधिकता हो गई है। वाहन चालक यातायात के नियमों का आसानी से उल्लंघन करते हैं।

महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश देकर सभी व्यस्त चौराहों पर यातायात सिपाहियों की तैनाती सुनिश्चित करने की कृपा करें। ऐसे चालकों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए जो यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं या वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करते हैं।

मेरा सुझाव है कि अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से पूरी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को पुरुस्कृत करने की भी कृपा करें। ताकि अन्य लोग प्रेरित हो सकें।

सधन्यवाद
अ ब स

अथवा

146, वसुंधरा
गाजियाबाद

दिनांक ....

प्रिय अनुज अनुराग

सस्नेह आशीर्वाद

कल ही मुझे तुम्हारे विद्यालय के प्राचार्य जी का पत्र मिला। जिससे तुम्हें परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर दंडित किए जाने का खेदपूर्ण समाचार मिला।

प्रिय भाई ! मुझे ऐसा लगता है कि या तो छात्रावास में तुम्हारी संगति उचित नहीं है, या तुमने परीक्षा की तैयारी अच्छी तरह नहीं की थी। जिस कारण तुम्हारे मन में ऐसा करने का विचार आया। निरंतर परिश्रम और अभ्यास से ही कार्य में सफलता मिलती है।

आदरणीय माता जी भी इस घटना से बहुत दुखी हैं। भविष्य में तुम मन लगाकर अध्ययन करना और वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होना। मुझे विश्वास है कि तुम भविष्य में इस प्रकार की गलती नहीं दोहराओगे।

तुम्हारा अग्रज

अ ब स

13.

समय–सांय 6 बजे से **हास्य कवि सम्मेलन** दिनांक ....

सुनिए देश के प्रसिद्ध हास्य कवियों की गुदगुदी रचनाएँ
जो आपको हँस–हँसकर लोटपोट कर देने पर मजबूर कर देंगी ....

मुख्य आकर्षण : हास्य कवि सम्राट सुरेन्द्र शर्मा, हुल्लड़ मुरादाबादी

कवि सम्मेलन में बरसेगा हास्य रस
आप हो जाएँगे सराबोर

स्थान–डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, न्यू सेक्टर 3, रुड़की

अथवा

15% से 20% की छूट

रचना कंपनी

निर्मित रजिस्टर एवं कॉपियाँ

एक दर्जन कॉपियों के साथ दो बालपेन मुफ्त

श्रेष्ठ पेपर पर आकर्षक लिखाई के लिए
आज ही ले आएँ
कम मूल्य पर गुणवत्ता की गारंटी

'गोल्डन स्टेशनरी मार्ट' पर उपलब्ध

पता : 312, सेक्टर–7 चंडीगढ़, संपर्क : 01234 ....

Code No. 3/2/1 **Outside Delhi , SET-1**

खंड–क

1. (क) पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने–बाने का महत्वपूर्ण आधार है। हमारी सामाजिक सुरक्षा तथा सामाजिक जीवन की आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए भी पड़ोस अत्यंत आवश्यक है।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ख) किसी भी आकस्मिक आपदा या आवश्यकता के समय रिश्तेदारों तथा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है उस समय पड़ोसी ही हमारे काम आते हैं।

(ग) हमें अपने पड़ोसी के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार तथा भावनात्मक जुड़ाव रखना चाहिए। उनके सुख तथा आनंद के क्षणों में शामिल होना चाहिए तथा दुख में उनसे सच्ची सहानुभूति रखते हुए सहयोग प्रदान करना चाहिए।

(घ) विश्वस्त सहायक वह होता है जिस पर हम मुसीबत के समय आँख मूँदकर भरोसा कर सकें। कोई भी कठिनाई आने पर मित्रों और रिश्तेदारों के आने से पूर्व हमारे पड़ोसी ही हमारी सहायता करते हैं। इसीलिए उन्हें विश्वस्त सहायक कहा गया है।

(ङ) यह बात लेखक ने पड़ोसी से संबंधों के संदर्भ में कही है।

(च) सामाजिक जीवन में पड़ोस का महत्व/ पड़ोस कल्चर / सामाजिक जीवन में पड़ोस की महत्वपूर्ण भूमिका अथवा कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक।

खंड–ख

2. (क) उसके एक इशारे पर लड़कियाँ कक्षा से बाहर निकलीं और नारे लगाने लगीं।

(ख) वे जेब से चाकू निकालकर खीरा काटने लगे।

(ग) जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।

(घ) अब बुढ़ापा आ गया है। (संज्ञा उपवाक्य)

3. (क) माँ ने भिखारी को भोजन दिया।

(ख) उसके द्‌वारा /उससे कालीन बुना जाता है।

(ग) आओ, अब चला जाए।

(घ) पुलिस ने चेतावनी दी।

4. (क) सदा–अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक,'होती है' क्रिया का विशेषण

(ख) मुस्कान–भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(ग) अपना–सर्वनाम, निजवाचक, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) चलते-चलते–अव्यय, रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'लड़खड़ाना' क्रिया का विशेषण

5. (क) वीर रस

(ख) कहत नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत है नैनन ही सों बात।।

(ग) रौद्र रस

(घ) विभाव–रस उत्पत्ति और उद्‌दीपन के कारणों को विभाव कहते हैं अर्थात् विभाव व्यक्ति के मन में स्थायी भाव को जागृत या उद्‌दीप्त करते हैं। यह दो प्रकार के होते हैं–1. आलंबन 2. उद्‌दीपन

(ङ) हास /हँसी

खंड–ग

6. (क) लेखक ने सेकंड क्लास के डिब्बे का टिकट यह सोचकर खरीदा था कि डिब्बा पूरी तरह से खाली होगा। उसमें कोई यात्री नहीं होगा। अत: आराम से बैठकर नई कहानी के विषय में सोच सकेंगे। साथ ही खिड़की से बाहर के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी ले सकेंगे।

(ख) लेखक का अनुमान था कि डिब्बे में कोई यात्री नहीं होगा परंतु उनके अनुमान के विपरीत एक नवाबी स्वभाव वाले सफेदपोश सज्जन डिब्बे की एक बर्थ पर पालथी मारे बैठे थे।

(ग) डिब्बे में पहले से बैठे सज्जन की आँखों में लेखक के आने पर एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। लेखक ने अनुमान लगाया कि या तो नवाब साहब किसी नई कहानी के विषय में सोचते हुए चिंतित हैं तथा अथवा एक नवाब को खीरा खाते देख लिए जाने का संकोच उनके चेहरे पर आ गया है।

7. (क) पानवाला स्वाभाव से बहुत ही हँसमुख और मजाकिया था। वह कैप्टन का बहुत मजाक बनाता था किंतु उसके ह्रदय में संवेदना भी थी। हालदार साहब द्वारा मूर्ति पर कोई चश्मा न होने का कारण पूछे जाने पर वह उदास हो गया और आँखों को पोंछते हुए उसने कैप्टन की मृत्यु की सूचना दी।

(ख) गर्मियों की उमस भरी शाम में भगत अपने घर में आसन जमा कर बैठ जाते और जोर-जोर से भजन गाने लगते। गाँव के अन्य लोग भी खंजरी और करताल के साथ उनके सुर में सुर मिलाते। इस प्रकार नृत्य और संगीत के माहौल में लोग भक्ति में लीन हो गर्मी की उमस भी भूल जाते थे।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ग) फादर का जीवन करुणा, वात्सल्य और अपनत्व से भरा था। फादर और लेखक के बीच अत्यंत आत्मीय संबंध थे। उनकी मृत्यु जहरबाद से हुई । ऐसे मधुर स्वभाव वाले त्यागी व्यक्ति, जिनका पूरा जीवन दूसरों को प्यार अपनत्व और ममता का अमृत बाँटते बीता था ऐसे कष्टप्रद रोग से मृत्यु होने के कारण लेखक अत्यंत आहत था।

(घ) लेखिका के पिता अहंकारी थे। उन्होंने कभी बहुत वैभवशाली दिन देखे थे। दूसरों के सामने अपनी गरीबी को बता कर वे अपने आप को छोटा साबित नहीं करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने अपनी आर्थिक विवशताएँ कभी अपने बच्चो को भी नहीं बताईं।

(ङ) प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिला खाँ अपने पाँचों वक्त की नमाज में ईश्वर से सच्चे सुर की कामना करते थे। वे अपनी कला को धनोपार्जन का जरिया नहीं मानते थे। उनके मन में सदैव सीखने और पूर्णता पाने की इच्छा रहती थी। इससे उनकी विनम्रता, ईश्वर पर आस्था और संगीत साधक होने की विशेषता पता चलती है।

8. (क) कवि बादलों बसे गर्जना करने के लिए कहता है क्योंकि वह चलता है कि बादल अपनी गर्जना से वातावरण में उत्साह, पौरुष और क्रांति का संचार करके संपूर्ण संसार को जोश से भर दें।

(ख) बादल सुंदर, काले–काले घुंघराले हैं। कवि ने उनकी तुलना बाल कल्पना से की है। क्योंकि जिस प्रकार बच्चों की कल्पनाएं मधुर होती हैं तथा पल–पल बदलती रहती हैं इसी प्रकार बादल भी बार–बार अपना रूप बदलते रहते हैं।

(ग) कवि के अनुसार नूतन कविता ऐसी होनी चाहिए जो जनमानस के मन में नवजीवन व चेतना का संचार कर सके। कविता के स्वर को सुन संपूर्ण संसार उत्साह से भर उठे।

9. (क) परशुराम विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत करते हुए कहते हैं कि यह बालक बहुत मंदबुद्धि और कुटिल है। काल के वशीभूत होकर यह अपने कुल का घातक बन रहा है। यह सूर्यवंशी चंद्रमा का कलंक, अत्यंत उद्दंड और मूर्ख है। मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ कि क्षणभर में यह काल का ग्रास हो जाएगा फिर तुम मुझे दोष न देना।

(ख) कवि कहना चाहता है कि मनुष्य यश, मान, सुख और वैभव पाने के लिए जितना प्रयास करता है उतना ही भटकता है। इनको पाकर भी मनुष्य प्रसन्न नहीं रह सकता। अत: जो मनुष्य उनके पीछे दौड़ता है वह भ्रम में जीवन जीता है।

(ग) कविता में बाँस और बबूल के पेड़ कठोर हृदय या रसहीन व्यक्तियों के प्रतीक हैं। इन प्रतीकों के माध्यम से कवि कहना चाहता हैं कि मधुर मुस्कान को देखकर कठोर से कठोर हृदय मानव भी सरस हो उठते हैं।

(घ) परंपरागत माँ अपनी बेटी को सब कुछ सहकर कर्तव्य पालन करने की सीख देती है। लेकिन कविता में वर्णित माँ की सोच भिन्न है। वह यह तो चाहती है कि लड़की विनम्र, मृदुभाषी, सहनशील हो लेकिन वह उसे निर्बल नहीं देखना चाहती। वह उसे भविष्य के संभावित खतरों के प्रति भी जागरुक करती है। माँ चाहती है कि उसकी बेटी शोषण का शिकार न हो।

(ङ) संगतकार नि:स्वार्थ भाव से मुख्य गायक की सफलता में सहयोग प्रदान करता है। वह प्रतिभा और शक्ति होते हुए भी अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से अधिक प्रभावी नहीं होने देता। स्वयं को मुख्य गायक से पीछे रखने की इसी कोशिश में उसकी आवाज में एक हिचक सुनाई देती है।

10. (क) बच्चा किसी भी परेशानी में अपनी माँ के साथ रहकर ही सुरक्षित अनुभव करता है। माँ के आँचल में उसे कष्ट का आभास नहीं होता। माँ उसकी भावनाओं को अच्छी तरह समझती है। वह चाहे अपने पिता से कितना भी प्रेम करता हो या पिता उसे कितना भी अधिक प्रेम करता हो, माँ की ममता और आत्मीयता की कोई तुलना नहीं होती। यही कारण है कि भोलानाथ संकट के समय अपने पिता के पास न जाकर माँ के पास जाता है।

(ख) रानी के आने से पहले अखबारों में रानी की पोशाकों के रंग, उन पर आने वाले खर्च, रानी की जन्मपत्री, प्रिंस फिलिप के कारनामे छापने के साथ ही उनके नौकर–नौकरानियों बावर्चियों, खानसामों की जीवनियाँ यहाँ तक कि शाही महल के कुत्तों की तस्वीरें भी छापी गईं, लेकिन रानी के आगमन पर सब अखबार चुप थे। उस दिन न किसी उद्‌घाटन की खबर थी न ही कोई फीता काटा गया। कोई सार्वजनिक सभा भी नहीं हुई। ऐसा लग रहा था मानो सभी अखबार चुप रहकर जॉर्ज पंचम के मूर्ति पर जिंदा नाक लगाए जाने के प्रति अपना आक्रोश प्रकट कर रहे थे।

(ग) खूब ऊँचाई से गिरते फेन उगलते सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल को देखकर लेखिका मंत्रमुग्ध हो गईं। नीचे बिखरे भारी–भरकम पत्थरों पर बैठकर लेखिका जैसे आत्मा का संगीत सुनने लगीं। झरना उसे जीवन की अनंतता का प्रतीक लगा। अपने मन की सारी तामसिक वृत्तियाँ लेखिका को उस निर्मल जलधारा में बह जाती–सी प्रतीत हुईं। उनका वहाँ से उठने का मन नहीं हो रहा था।

खंड–घ

11. **प्लास्टिक मुक्त भारत**

वर्तमान समय में अपने दैनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र में हम दिन की शुरुआत से लेकर सोने तक अनेक प्लास्टिक निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं। प्लास्टिक का आविष्कार तो हुआ होगा धात्विक उपभोग को कम करने के लिए परंतु लोगों ने आवश्यकता से

अधिक उपयोग कर इसे एक समस्या के रूप में खड़ा कर दिया। प्लास्टिक बैग बाज़ार में आसानी से उपलब्ध हैं। हालांकि इनका निस्तारण एक प्रमुख समस्या बन गया है। प्लास्टिक नॉन बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है अत: यह भूमि एवं जल प्रदूषण का प्रमुख कारण बन गया है।

15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर 2019 से प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इस अभियान का लक्ष्य 2022 तक एकल प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करके भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाना है।

दुनिया के बहुत से देश प्लास्टिक का विकल्प खोजने में प्रयासरत हैं। प्लास्टिक की जगह कंपोस्टेबल या बायोडिग्रेडेबल सामग्री का उपयोग किया जा रहा है यहाँ तक कि सिलिकॉन को भी एक प्लास्टिक विकल्प के रूप में देखा जाता है।

प्लास्टिक मुक्त भारत की योजना को सफल बनाने के लिए हम सबको मिलजुल कर प्रयास करना होगा जैसे प्लास्टिक के स्थान पर कपड़ा या कागज़ की थैलियों का प्रयोग, धातु के कंटेनर आदि का उपयोग करना। सरकार के आग्रह पर पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई ने सड़क निर्माण के लिए प्लास्टिक कचरे का उपयोग करने की योजना पर काम प्रारम्भ कर दिया है। भारतीय पेट्रोलियम संस्थान देहरादून द्वारा भी प्लास्टिक कचरे से आटोमोटिव ग्रेड डीजल बनाने का काम किया जा रहा है। अगर हम समस्या का कारण है तो समाधान भी हमें ही ढूँढ़ना होगा। पर्यावरण संरक्षण हेतु हमें मिलजुल कर अपने देश भारत को प्लास्टिक मुक्त बनाना होगा।

आत्मविश्वास और सफलता

आत्मविश्वास का अभिप्राय है—स्वयं पर विश्वास। आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। आत्मविश्वास वह ऊर्जा है जो व्यक्ति को अपने मार्ग में आने वाली कठिनाइयों पर सफलता प्राप्त करने के लिए साहस प्रदान करती है। यह मानव की वह आत्मिक शक्ति है जिसके बल पर व्यक्ति असंभव को भी संभव कर सकता है। जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास होता है वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए तब तक प्रयासरत रहता है जब तक उसे सफलता प्राप्त न हो जाए। संक्षेप में हम कह सकते हैं कि आत्मविश्वास और सफलता एक-दूसरे के पर्याय हैं।

आत्मविश्वास के साथ कार्य करने वाले व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होते। वे असफलता के कारणों को ढूँढ़कर उनका निदान करके लक्ष्य तक पहुँचते हैं। वे कभी भी दूसरे पर निर्भर नहीं होते। खुद के भरोसे रहकर ही अपने जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। इसी आत्मविश्वास के बल पर महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों की विशाल सत्ता से टक्कर ली। इसी गुण के बल पर थॉमस एडिसन, अब्राहम लिंकन, नेपोलियन, हेलेन केलर, मैरी कॉम, सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला जैसे अनगिनत लोगों ने असंभव को संभव कर दिखाया।

आत्मविश्वास हमारे आंतरिक विश्वास को सुदृढ़ करता है किन्तु हमारे मन में अहंकार का भाव नहीं आने देता। जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास होता है वह कठिन से कठिन कार्य करने के लिए सदैव तत्पर रहता है, क्योंकि उसके मन में यह भाव होता है कि मैं प्रत्येक कार्य कर सकता हूँ और यही भाव उसे कार्य में सफलता दिलाता है। आत्माविश्वास के बल पर ही व्यक्ति दिन-रात परिश्रम करके अपने लक्ष्य को पाने का प्रयास करता है और अंत में उस में सफल हो जाता है। आत्माविश्वास के बल पर सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्ति का सब गुणगान करते हैं। अत: आवश्यक है कि हम अपने आतंरिक विश्वास को ढूँढ़ें और स्वयं को सुदृढ़ बनाएँ।

मातृभाषा के प्रति अभिरुचि

जन्म लेने के पश्चात् मानव जो प्रथम भाषा सीखता है, उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं। जिस भाषा में माँ बोलती है, विचार करती है वही उस बच्चे की मातृभाषा होगी। मातृभाषा शिशु की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। सभी संस्कार एवं व्यवहार हम इसी के माध्यम से प्राप्त करते हैं। इसी भाषा के माध्यम से हम अपनी संस्कृति से जुड़कर उसकी धरोहर को आगे बढ़ाते हैं।

आज मातृभाषा के प्रति हमारी अभिरुचि समाप्त होती जा रही है। बच्चे अपनी मातृभाषा में गिनती करना भूल गए हैं। यह सत्य है कि जितनी अधिक भाषाएँ हम सीखेंगे वे हमारे व्यक्तित्व के विकास में सहायक होंगी किंतु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि हम अपनी मातृभाषा, अपनी सांस्कृतिक धरोहर से दूर होते जाएँ। हम जिस राज्य या प्रांत से हैं वहाँ की बोली हमें अवश्य आनी चाहिए। यदि नहीं आती तो हमें उसे सीखने का मौका नहीं गंवाना चाहिए। आज अंग्रेजी भाषा का ज्ञान प्राप्त करके बच्चे स्वयं को श्रेष्ठ समझने लगते हैं, जो कदापि उचित नहीं है। यही कारण है कि आज गाँव और शहर के बच्चों के बीच में दूरियाँ बढ़ती जा रही हैं। अपनी भाषा के सुंदर लोकगीत, दोहे और छंद हम भूलते जा रहे हैं।

हमें अपनी भारतीय संस्कृति की अनूठी विशेषता विविधता में एकता को चरितार्थ करते हुए अपनी सांस्कृतिक धरोहर, अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। उसे सहेज कर रखना चाहिए। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि मातृभाषा यदि शिक्षा का माध्यम नहीं होगी तो बच्चे रटने को मजबूर हो जाएंगे जिससे उनकी सृजनात्मकता समाप्त हो जाएगी। हमें अपनी मातृभाषा को पूर्ण सम्मान देना चाहिए अन्यथा हम कुछ महत्वपूर्ण खो देंगे।

मातृभाषा के महत्व को समझते हुए यूनेस्को ने 17 नवंबर 1999 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की स्वीकृति दी थी। इसी कारण विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी को मनाया जाता है। हम सबका यह कर्तव्य है कि हम अपनी मातृभाषा के महत्व को समझें। उसे सीखने की कोशिश करें, उसमें बोलना अपना गौरव समझें तथा उसे विश्व पटल पर गौरवपूर्ण स्थान प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहें।

12. सेवा में
संपादक
हिंदुस्तान टाइम्स
नई दिल्ली

विषय—स्वरचित कविता प्रकाशित करवाने हेतु

महोदय

आप के लोकप्रिय समाचार पत्र के रविवारीय स्तंभ नवांकुर में नवोदित रचनाकारों की रचनाएँ पढ़कर मैं बहुत प्रभावित एवं प्रेरित हुई। बाल्यकाल से ही मेरी अभिरुचि कविता लेखन में रही है। प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ ज्वलंत विषयों पर रचनाएँ लिखना मेरा शौक रहा है। इसी उद्देश्य से नारी शक्ति को दर्शाती एक कविता मैंने लिखी है जो मैं इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको भेज रही हूँ। आपके लोकप्रिय समाचारपत्र के माध्यम से मैं अपनी कविता पाठकों तक पहुँचाना चाहती हूँ।

अत: आपसे अनुरोध है कि अपने समाचार पत्र में मेरी रचना को स्थान देकर कृतार्थ करें।

धन्यवाद सहित
निवेदिका
अ ब स
म.सं. 320, पॉकेट-ए, सेक्टर 3
रोहिणी, नई दिल्ली
दिनांक 22.2.20XX

अथवा

123-ए, साकेत कॉलोनी
नई दिल्ली
दिनांक: 23 मार्च 20

प्रिय अभिनव

कल समाचार पत्र में तुम्हारे पिताजी के सीमा पर शहीद हो जाने का शोकपूर्ण समाचार पढ़कर मैं स्तब्ध रह गया। अभी कुछ समय पूर्व ही तुम्हारे बड़े भाई के विवाह में मेरी भेंट उनसे हुई थी। कल उनके शहीद हो जाने का समाचार पढ़कर मुझे अपनी आँखों पर विश्वास ही नहीं हुआ। प्रिय मित्र मैं जानता हूँ कि इस हृदय विदारक समाचार को जानकर तुम्हारे परिवार पर तो मानो वज्र टूट पड़ा होगा। किंतु ईश्वर के विधान के आगे हम सब विवश हैं। तुम्हें तो गर्व होना चाहिए कि तुम्हारे पिताजी ने वीरतापूर्वक शत्रुओं का सामना करते हुए देश रक्षा में अपने प्राण समर्पित कर दिए। मित्र इस दुख की घड़ी में तुम्हें धैर्य से काम लेते हुए अपनी माता जी और छोटे भाई-बहिनों को भी धीरज बँधाना है।

मेरी परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दुख की इस विषम घड़ी में वे तुम्हें और तुम्हारे परिवार को असीम धैर्य और साहस तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। मैं शीघ्र ही तुमसे भेंट करने आऊँगा। मेरे योग्य यदि कोई भी कार्य हो तो नि:संकोच कहना।

तुम्हारा मित्र
अ ब स

13.

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अथवा

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ, जीवन को खुशहाल बनाएं
पर्यावरण संरक्षण करके, धरती माँ की गोद सजाएं।

आओ लें
एक संकल्प
पर्यावरण संरक्षण का

प्रकृति से प्रेम करें जल बचाएँ वृक्ष लगाएँ
स्वच्छ एवं सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण यह संकल्प लें।

Code No. 3/2/2 **Outside Delhi SET-2**

खंड–ख

2. (क) बत्ती हरी हुई और सारे वाहन चल पड़े।
(ख) उनके दिल्ली में बीमार होने / रहने का पता नहीं चला।
(ग) वे जो रिश्ता बनाते थे उसे तोड़ते नहीं थे।
(घ) विशेषण उपवाक्य

3. (क) दुकानदार ने उचित मूल्य लिया।
(ख) महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्र को शांति और अहिंसा का संदेश दिया गया।
(ग) मच्छरों के कारण हम से रात भर सोया न जा सका।
(घ) गाइड ने हमें सब कुछ समझा दिया।

4. (क) आशिमा – संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'पढ़ती है' क्रिया की कर्ता।
(ख) वाह! – अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्ष सूचक
(ग) एक – संख्यावाचक विशेषण, एकवचन पुल्लिंग, 'शिष्य' विशेष्य का विशेषण।
(घ) तुम – सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष एकवचन, कर्ता कारक, 'पढ़ते हो' क्रिया का कर्ता।

5. (क) वीभत्स रस
(ख) वीर रस का उदाहरण–
चढ़ चेतक पर तलवार उठा, रखता था भूतल पानी को।
राणा प्रताप सिर काट-काट, करता था सफल जवानी को।।

खंड–घ

12. सेवा में
माननीय मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ

विषय : नगर की प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण हेतु

महोदय ,

सविनय निवेदन है कि लखनऊ शहर विभिन्न ऐतिहासिक इमारतों एवं दर्शनीय स्थलों के कारण सदैव से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी होने के कारण यहां राजनैतिक गतिविधियाँ भी होती रहती हैं। ऐसे में यहां के नागरिकों को नगर

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

में बढ़ती भीड़–भाड़ के कारण परिवहन की जटिल समस्या का रोज सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर बढ़ती वाहनों की संख्या तथा बस एवं ट्रक जैसे भारी वाहनों के अनियंत्रित गति से चलने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। किसी भी चौराहे को पैदल पार करना कठिन हो जाता है। परिवहन की इस समस्या के निदान के लिए सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने की आवश्यकता है। अत: आपसे अनुरोध है कि आप अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आदेशित करें कि वे शीघ्र अतिशीघ्र नगर के प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण के साथ-साथ अन्य सड़कों की उचित मरम्मत कराने की व्यवस्था करें।

सधन्यवाद

भवदीय

अ ब स

दिनांक ....

अथवा

मकान संख्या-5/23

राजौरी गार्डन

नई दिल्ली

दिनांक ....

प्रिय मित्र

सप्रेम नमस्कार

आशा है तुम सानंद होंगे। मैंने इस वर्ष सुभाष पब्लिक स्कूल में प्रवेश लिया है। इस विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों को चार सदनों में विभक्त करके उनके मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। मैंने भी पहली बार अपने सदन की ओर से हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया था। यद्यपि मैंने इसके लिए बहुत परिश्रम और अभ्यास किया था किंतु मंच पर जाने से पूर्व मुझे बहुत घबराहट हो रही थी। तुम्हें यह जानकर खुशी होगी कि इस प्रतियोगिता में मुझे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे शिक्षा राज्य मंत्री महोदय से प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते समय मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। मेरे माता-पिता भी बहुत खुश हुए।

तुम भी अपने विद्यालय की गतिविधियों के विषय में मुझे लिखना। अपने माता-पिता को मेरा सादर प्रणाम और मुकुल को सस्नेह आशीर्वाद कहना।

तुम्हारा मित्र

अ ब स

13.

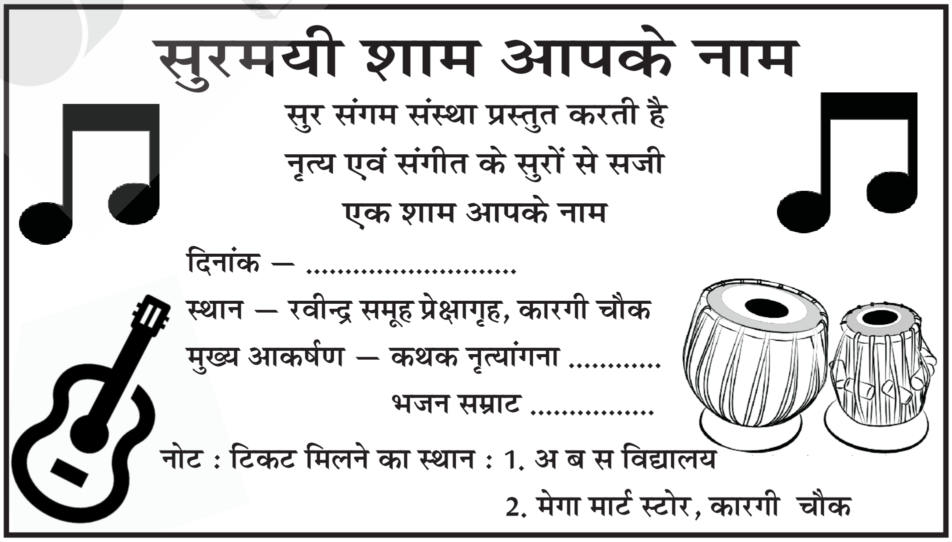

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अथवा

खुशखबरी खुल गई दुकान

गणपति मोबाइल रिपेयर सेंटर

प्रशिक्षित कुशल कारीगरों द्वारा गुणवत्तायुक्त
कार्य की गारंटी

उचित पारिश्रमिक

हर प्रकार के मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य
उचित मूल्य पर किया जाता है।

विश्वसनीयता की गारंटी

(घर बैठे मोबाइल रिपेयर की सुविधा उपलब्ध)
पता—खुड़बुड़ा मोहल्ला, हनुमान चौक के निकट, रुड़की
संपर्क—012345 ....

Code No. 3/2/3 **Outside Delhi SET-3**

खंड–ख

2. (क) जादूगर का जादू देखा और दर्शक दंग रह गए।
   (ख) नवाब साहब ने तौलिया झाड़ कर सामने बिछा लिया।
   (ग) ज्यों ही नवाब साहब ने खीरे के स्वाद का आनंद लिया / के आनंद का अनुभव किया उनकी पलकें मुँद गईं।
   (घ) संज्ञा उपवाक्य

2. (क) बस की खिड़की से न झाँका जाए।
   (ख) धर्मगुरु द्वारा कामिल बुल्के की बात मान ली गई।
   (ग) तुमसे/तुम्हारे द्वारा पढ़ा क्यों नहीं जाता?
   (घ) वह उठ-बैठ नहीं सकता।

4. (क) नया—गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, पान विशेष्य का विशेषण
   (ख) यह—सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, साइकिल विशेष्य का विशेषण
   (ग) माँ की—संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
   (घ) सदा ही—अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक, सुनने क्रिया की अवधि का सूचक। ही—निपात

5. (क) हास्य रस
   (ख) अद्‌भुत रस—देख यशोदा शिशु के मुख में सकल विश्व की माया।
   क्षण भर को वह बनी अचेतन, हिल न सकी कोमल काया।
   (ग) वीर रस का

खंड–घ

12. सेवा में
    विद्युत अधिकारी
    विद्युत प्रदाय संस्थान
    रोहिणी सेक्टर -7
    नई दिल्ली
    दिनांक : 27-2-20XX

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

विषय—बिजली के बिल में गड़बड़ी की शिकायत हेतु

महोदय

निवेदन है हम रोहिणी सेक्टर 7 के निवासी बिजली बिल की अनियमितता से बहुत परेशान हैं। हमारे क्षेत्र में मीटर रीडर नियमित रूप से नहीं आते और मनचाही रीडिंग भरकर भेज देते हैं। जिस कारण हमारे बिजली के बिल आवश्यकता से अधिक आते हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी आपके विभाग की ओर से इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। गत माह मैं परिवार सहित शहर से लगभग 20 दिन तक बाहर रहा फिर भी मेरा बिजली का बिल ₹ 7000 का आया है।

आशा है आप इस दिशा में उचित कदम उठाते हुए हमारी समस्या का निदान करने की कृपा करेंगे।

धन्यवाद सहित

भवदीय

(हस्ताक्षर)

अ ब स

अध्यक्ष

मोहल्ला सुधार सभा

सेक्टर – 7 रोहिणी, दिल्ली

अथवा

कमरा संख्या 15

छात्रावास

शाश्वत विद्या मंदिर

लखनऊ

दिनांक: 22.02.20XX

आदरणीय पिताजी

सादर नमस्कार

आशा है आप सानंद होंगे। आदरणीय माताजी तथा प्रिय बहन सुरभि भी प्रसन्न होंगी।

पिताजी मुझे आपको बताते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि इस वर्ष अंतर्विद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मेरा चयन विद्यालय टीम के कप्तान के रूप में हुआ है। निश्चय ही यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और इसके लिए निरंतर अभ्यास एवं परिश्रम की आवश्यकता है। मेरा लक्ष्य प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करना है जिसके लिए मुझे आपके आशीर्वाद की आकांक्षा है। आशा है सदैव की भांति आप अपना आशीर्वाद मुझ पर बनाए रखेंगे।

आदरणीय माता जी को चरण स्पर्श एवं प्रिय बहन सुरभि को स्नेह आशीर्वाद कहिएगा।

आपका पुत्र

अ ब स

13.

OSWAAL BOOKS
LEARNING MADE SIMPLE

अथवा

❑❑❑

OSWAAL BOOKS
LEARNING MADE SIMPLE